<u>**संदेश**</u>

महावीर जयंती के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवासियों, विशेषकर जैन समुदाय को बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

भगवान महावीर ने 'अहिंसा परमो धर्म:' अर्थात् अहिंसा सभी धर्मों में सर्वोपरि है, के माध्यम से सम्पूर्ण मानवता को एक नई राह दिखाई। वे यह मानते थे कि आत्म-नियंत्रण ही सही माने में अहिंसा है। 'जियो और जीने दो' का उनका दर्शन भी समानता और मानवीय गरिमा को प्रोत्साहित करने वाला है।

आइए, इस पावन अवसर पर हम सब भगवान महावीर की शिक्षाओं का अनुसरण करें तथा अपने देश और सम्पूर्ण विश्व में सौहार्द की भावना के प्रसार के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लें।

****